Mard Maratha Lyrics

English

Hey, bole dharti jaikara
Gagan hai saara goonja re
Jag mein lehraya nyaara
Dhwaj hai humara ooncha re

Hum woh yodha woh nidarr
Hum jo bhi disha mein jaayein
Saare path charan chhuve aur
Parbat sheesh navaaye
Raaste se hat jaaye nadiya ho ke hawayein

Hum hai jiyaale jeetne ko hum rann mein utarte hain
Hum sooraj hain ant hum hi raaton ka karte hain
Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re

Jo rakt hai tann mein behta
Woh humse hai ye kehta
Sanmaan ke badle jaan bhi de
Toh nahi hai ghaata re

Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re
Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re

Veerta humne boyi aur ye phal paaya
Door tak ab hai phaili apni hi chhaya

O...
Jeevan jo rannbhoomi mein karta hai tandav
Aaj usi ne hai vijay ka nagaada bajaaya
Apni hai jo gaatha, ab hai samay sunaata
Sab ko hai ye bataata kaise sukh humne baata re

Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re

Bol utha ye jag saara jai mard maratha re
Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re

Sach ke sipahi albele raahi
Kya jante ho tum
Jab tum nahi thhe hum kab yahin the
Hum bhi the jaise ghum
Tum dhyaan mein the tum praan mein thhe
Jaise janam janam
Jab teer tumpe barse toh
Jaise ghayal huve the hum

Oh.. Dekho toh mujhse keh ke
Main jaan de doon tumpe
Kya tum ye nahin jaante
Duvidha ke aage jab naari jaage
Himmat se kaam le
Choodi utaar kangan utaar talwar thaam le

Maine li aaj shapath hai
Veeron ka path hai mera re
Lakshya apna jo banaa loon
Wahin daalun dera re

Hum woh yodha woh nidarr
Hum jo bhi disha mein jaayein
Saare path charan chhuve aur
Parbat sheesh navaaye
Raaste se hat jaaye nadiya ho ke hawayein

Hum hain jiyale jeetne ko hum rann mein utarte hain
Hum sooraj hain ant hum hi raaton ka karte hain
Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re

Jo rakt hai tann mein behta
Woh humse hai ye kehta
Sanmaan ke badle jaan bhi de
Toh nahi hai ghaata re

Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re
Yug yug ki zanjeeron ko humne hi kaata re
Lyricsbogie.com
Bol utha ye jag saara jai mard maratha re.

More Lyrics from Panipat

हिंदी

हे बोले धरती जयकारा
गगन है सारा गूंजा रे
जग में लहराया न्यारा
ध्वज है हमारा ऊंचा रे

हम वो योद्धा वो निडर
हम जो भी दिशा में जाएं
सारे पथ चरण छुएं और
पर्वत शीश नवाये
रास्ते से हट जाएं
नदियां होके हवाएं

हम हैं जियाले जीतने को हम
रन मैं उतरते हैं
हम सूरज हैं अंत हमी
रातों का करते हैं
युग युग की जंजीरों को हमने ही
काट रे
बोल उठा ये जग सारा
जय मर्द मराठा रे

जो रक्त है तन में बहता
वो हमसे है ये कहता
सम्मान के बदले जान भी दें
तो नही है घाटा रे

युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे
लिरिक्सबोगी.कॉम
युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे

वीरता हमने बोई और ये फल पाया
दूर तक अब है फैली अपनी ही छाया

हो.. जीवन जो रणभूमि रे करता है तांडव
आज उसी ने है विजय का नगाड़ा बजाया
अपनी है जो गाथा अब है समय सुनाता
सब को है ये बताता कैसे सुख हमने बाटा रे

युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे
युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे

हम्म..

सच के सिपाही अलबेले राही
क्या जानते हो तुम
जब तुम नही थे हम कब यहीं थे
हम भी थे जैसे घूम
तुम ध्यान में थे तुम प्राण में थे
जैसे जन्म जन्म
जब तीर तुमपे बरसे तो
जैसे घायल हुए थे हम

हो.. देखो तो मुझसे कह के
मैं जान दे दूं तुम पे
क्या तुम नहीं ये जानते
दुविधा के आगे जब नारी जागे
हिम्मत से काम ले
चूड़ी उतार कंगन उतार तलवार थाम ले

मैंने ली आज शपथ है
वीरों का पथ है मेरा रे
लक्ष्य अपना जो बना लूँ
वहीं पे डालूं डेरा रे

हम वो योद्धा वो निडर
हम जो भी दिशा में जाएं
सारे पथ चरण छुएं और
पर्वत शीश नवाये
रास्ते से हट जाएं
नदियां होके हवाएं

हम हैं जियाले जीतने को हम
रन मैं उतरते हैं
हम सूरज हैं अंत हमी
रातों का करते हैं
युग युग की जंजीरों को हमने ही
हिन्दीट्रैक्स

काट रे
बोल उठा ये जग सारा
जय मर्द मराठा रे

जो रक्त है तन में बहता
वो हमसे है ये कहता
सम्मान के बदले जान भी दें
तो नही है घाटा रे

युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे
युग युग की जंजीरों को हमने ही काटा रे
बोल उठा ये जग सारा जय मर्द मराठा रे.

More Lyrics from Panipat